विद्या - भवन बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

वर्ग - द्वितीय विषय - हिंदी

एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित

दिनांक - 26-05- 2021

पाठ - 3

अहा ! फूल कितने सुंदर हैं।

सुप्रभात बच्चों ,

पिछले कक्षा में शब्दार्थ का अध्ययन किया , आज की कक्षा में आपको इसी पाठ का कहानी अध्ययन करेंगे जो इस प्रकार है –

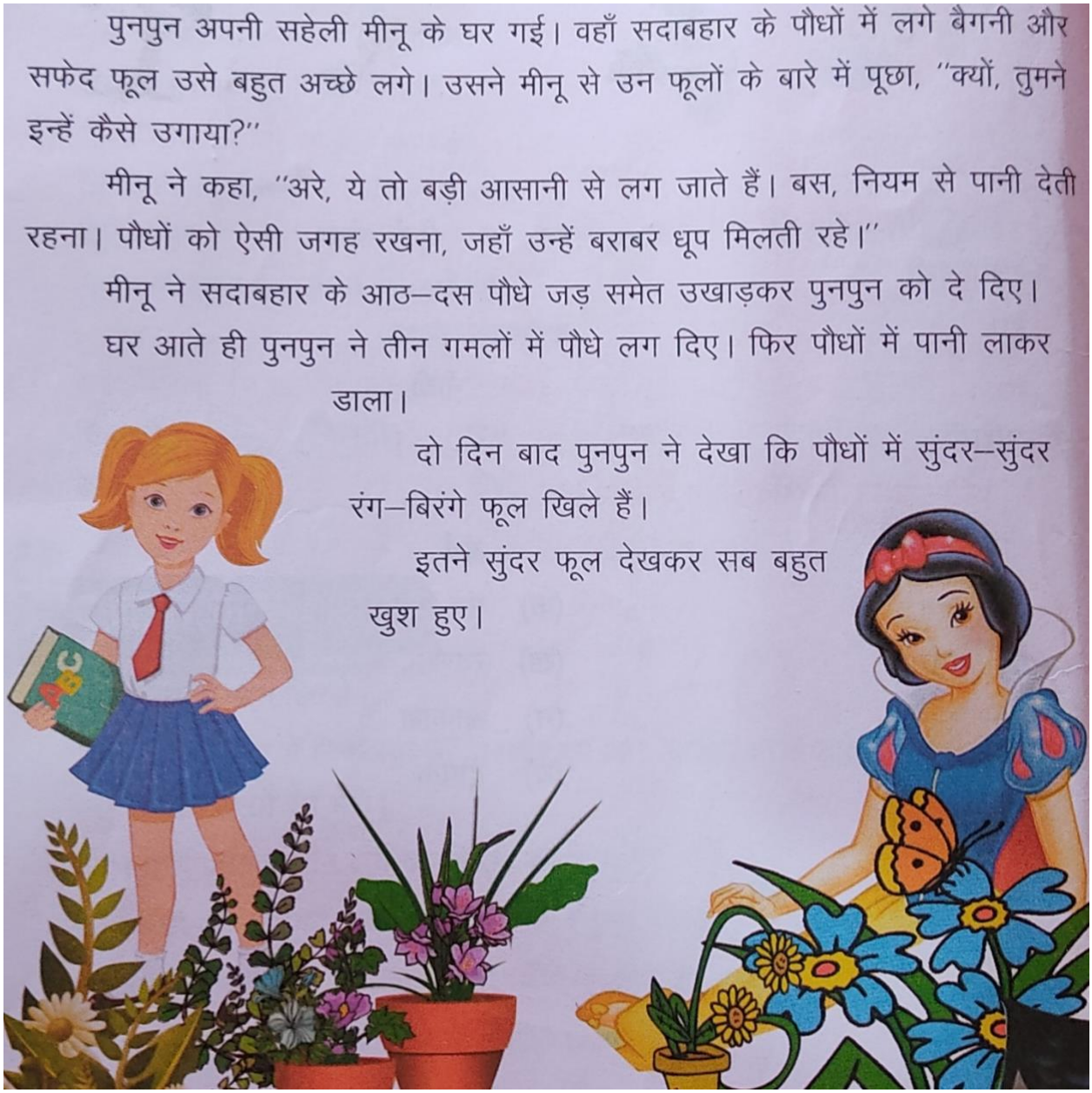

पुनपुन अपनी सहेली मीनू के घर गई। वहाँ सदाबहार के पौधों में लगे बैगनी और सफेद फूल उसे बहुत अच्छे लगे। उसने मीनू से उन फूलों के बारे में पूछा, "क्यों, तुमने इन्हें कैसे उगाया?"

मीनू ने कहा, "अरे, ये तो बड़ी आसानी से लग जाते हैं। बस, नियम से पानी देती रहना। पौधों को ऐसी जगह रखना, जहाँ उन्हें बराबर धूप मिलती रहे।"

मीनू ने सदाबहार के आठ–दस पौधे जड़ समेत उखाड़कर पुनपुन को दे दिए।

घर आते ही पुनपुन ने तीन गमलों में पौधे लग दिए। फिर पौधों में पानी लाकर डाला।

दो दिन बाद पुनपुन ने देखा कि पौधों में सुंदर–सुंदर रंग–बिरंगे फूल खिले हैं।

इतने सुंदर फूल देखकर सब बहुत खुश हुए।

एक दिन पुनपुन की सहेली चिक्की उसके साथ खेलने के लिए आई। खेलते–खेलते उसने सदाबहार के पौधे की कुछ पत्तियाँ तोड़ लीं। पुनपुन को बहुत दुःख हुआ। उसने जाकर अपनी मम्मी को यह बता दिया।

मम्मी ने चिक्की को पास बुलाकर समझाया, "बेटी, पौधों में भी हमारी ही तरह जीवन होता है। कोई उन्हें तोड़े, तो उन्हें भी उसी तरह दुःख होता है, जैसे चोट लग जाने पर हमें होता है।"

पुनपुन की मम्मी ने प्यार से चिक्की के सिर पर हाथ फेरा। फिर कहा, "हमेशा याद रखो, यह दुनिया इसलिए सुंदर है, क्योंकि इसमें फूल हैं तथा हरियाली है। हरियाली से हवा भी शुद्ध और ठंडी रहती है। पेड़–पौधे हमारे अच्छे मित्र हैं।

पुनपुन और चिक्की ध्यान से ये बातें सुन रही थीं। उन्होंने तय किया कि अब वे और पौधे लगाएँगी, ताकि धरती हरी–भरी और सुंदर रहे।

गृह कार्य :-

- **बच्चों , दिए गए कहानी को पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें ।**

****

ज्योति